अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2023

परीक्षा का नाम : अलंकार पूर्ण (प्रथम प्रश्नपत्र)

विषय : तबला-पखावज

दि. 19/11/2023 समय : 3 घंटे (सुबह 9 से 12) कुल अंक : 100

सूचना : 1) प्रश्न क्र. 3 अनिवार्य है ।
2) उर्वरीत प्रश्नों में चार प्रश्न हल किजिए ।
3) सभी प्रश्न के अंक समान है ।

प्र.1. अ) निम्नलिखित में से सहि पर्याय चुने। **(5)**

1. रचना मे अक्षर/शब्द की पुनरावृत्ती बार बार होनेपर यह अलंकार होता है।
   अ) श्लेष ब) मात्रिक अलंकार
   क) अनुप्रास ड) यमक
2. तंतुवाद्यपर जो छोटा ख्याल बजता है उसे गत का नाम यह है।
   अ) बिलासखानी ब) रजाखानी
   क) मसीतखानी ड) इन में से कोई नही
3. तंतुवाद्यपर जो बडा खयाल बजता है उसे यह गत कहते है।
   अ) रजाखानी गत ब) चर्तुमात्रिक गत
   क) मसीतखानी गत ड) बिलासखानी गत
4. 'नाट्यशास्त्र' के अनुसार मार्गी तालों की निश्चित कि गई संख्या यह है।
   अ) तीन ब) चार
   क) पाँच ड) सात
5. 'पाणि' का मतलब यह है।
   अ) कला ब) पात
   क) ग्रह ड) क्रिया

ब) जोडीयाँ मिलाए। **(5)**

अ	ब
1. अवपाणि	सा) अतीत
2. उपरीपाणि	रे) क्रिया
3. ताल	ग) कला
4. आवाप	म) अनागत
5. सर्पिणी	प) नि:शब्द
	ध) विसर्जिता

क) रिक्त स्थानों की पूर्ती करे। **(5)**

1. धमार कि कुआड एकबार कहनेपर ------- मात्राओं मे बद्ध होगी।

   अ) $10\frac{2}{5}$ ब) $11\frac{1}{5}$ क) $12\frac{1}{5}$

2. आडाचौताल कि पौनगुन एकबार कहनेपर ------ मात्राओंमे बद्ध होगी।

   अ) $13\frac{2}{3}$ ब) $18\frac{2}{3}$ क) $18\frac{1}{3}$

3. ताल रुद्र कि बिआड एकबार कहनेपर ------ मात्राओंमे बद्ध होगी।

   अ) $6\frac{1}{7}$ ब) $6\frac{2}{7}$ क) $7\frac{1}{7}$

4. जयताल कि कुआड एक बार कहनेपर ------- मात्रओंमे बद्ध होगी।

   अ) $10\frac{2}{5}$ ब) $10\frac{1}{5}$ क) $10\frac{3}{5}$

5. पंचमसवारी कि बिआड एकबार कहनेपर --------- मात्राओं मे बद्ध होगी।

   अ) $9\frac{2}{7}$ ब) $9\frac{1}{7}$ क) $8\frac{4}{7}$

ड) केवल नाम लिखे। **(5)**

1. शततंत्री वीणा किस वाद्य को कहते थे ?
2. टप्पा गायकी निर्मिती का श्रेय किस कलाकार को दिया जाता है ?
3. पं.किशोरीजी अमोणकर का घराना कौनसा है ?
4. पं.जसराजजी का घराना कौनसा है ?
5. उ.चूडियावाले इमामबक्ष का घराना कौनसा है ?

प्र.2. निम्नलिखित लयकारीयाँ एकही बार लिखकर समपे आना। (20)

1. जयताल–बिआड
2. रुद्र–कुआड
3. धमार–पौनेगुन
4. चौताल–कुआड

प्र.3. कोई एक चक्रदार 16, 10, 7 तथा 12 मात्राओं के ताल में लिपीबद्ध करे। (20)

(सूचना– केवल चक्रोंके विराम मे परिवर्तन अपेक्षित है।)

प्र.4. तबला/पखावज वादन कला के अध्यापन के बारे में जानकारी देकर "तबला/पखावज मे अक्षर साधना का महत्त्व" इस विषयपर भाष्य करे। (20)

प्र.5. विविध गंथ तथा विद्वानोंकी बातों को मद्देनजर रखते हुए उपज कि परिभाषा लिखकर संगीत में उसकी उपयोगिता बताएँ? (20)

प्र.6. अ) समान मात्रासंख्या के विभिन्न तालों के निर्मिती कि कारणमीमांसा लिखे। (10)

ब) वर्तमानकाल में इलेक्ट्रानिक तानपुरा, तबला, लेहरा आदी का स्थान तथा महत्त्व बतलाईए। (10)

प्र.7. विभिन्न मात्रांग तथा क्लिष्ट लयांगोपर प्रभुत्व पाने के लिए आप कैसे रियाझ करेंगे यह स्पष्ट करे। (20)